पाठ 2. स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका

अध्याय-समीक्षा

- संसार भर में भारत में सर्वाधिक चिकित्सा महाविद्यालय हैं और यहाँ सबसे अधिक डॉक्टर तैयार किए जाते हैं। लगभग हर वर्ष 15,000 नए डॉक्टर योग्यता प्राप्त करते हैं।
- भारत के अधिकांश डॉक्टर शहरी क्षेत्रों में बसते हैं। ग्रामवासियों को डॉक्टर तक पहुँचने के लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या के मुकाबले डॉक्टरों की संख्या काफी कम है |
- भारत में विदेशों से बहुत बड़ी संख्या में इलाज कराने हेतु चिकित्सा पर्यटक आते हैं। वे उपचार के लिए भारत के कुछ ऐसे अस्पतालों में आते हैं, जिनकी तुलना संसार के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों से की जा सकती है।
- भारत विश्व का दवाइयाँ निर्मित करने वाला चौथा बड़ा देश है और यहाँ से भारी मात्रा में दवाइयों का निर्यात होता है।
- भारत के समस्त बच्चों में से आधों को खाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है और वे अल्प-पोषण के शिकार रहते हैं।
- संचारणीय बीमारियाँ पानी के द्वारा एक से दूसरे को लगती हैं। इन बीमारियों में से 21% जलजनित होती हैं। जैसे-हैजा, पेट के' कीड़े और हैपेटाइटिस आदि |
- हम अपने स्वास्थ्य के लिए अथवा बिमारियों के उपचार के लिए चिकित्सालयों अथवा स्वास्थ्य केन्द्रों से जो सेवा लेते है उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं कहते हैं |
- भारत में बड़ी संख्या में डॉक्टर, दवाखाने और अस्पताल हैं। देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को चलाने का पर्याप्त अनुभव और ज्ञान भी उपलब्ध है। ये ऐसे चिकित्सालय और स्वास्थ्य केंद्र हैं, जिन्हें सरकार चलाती है। सार्वजानिक स्वास्थ्य सेवाएँ कहते हैं |
- किसी व्यक्ति अथवा संगठन द्वारा निजी रूप से प्रदान की गई स्वास्थ्य सेवाओं को निजी स्वास्थ्य सेवाएँ कहते है | निजी अस्पताल अथवा चिकित्सालय आदि |
- सरकार ने सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की वचनबद्धता को पूरा करने के लिए ये अस्पताल तथा स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए हैं। इन सेवाओं को चलाने के लिए धन उस पैसे से आता है जो लोग सरकार को टैक्स के रूप में देते हैं। इसलिए ये सुविधाएँ सबके लिए हैं।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका उद्देश्य अच्छी स्वास्थ्य सेवाएँ निःशुल्क या बहुत कम कीमत पर देना है, जिससे गरीब लोग भी इलाज करा सके |
- स्वास्थ्य सेवाओं का अन्य महत्त्वपूर्ण कार्य है बीमारियों जैसे टी.बी., मलेरिया, पीलिया, दस्त लगना, हैजा, चिकनगुनिया, आदि को फैलने से रोकना।
- हमारे संविधान के अनुसार लोगों के हित को सुनिश्चित करना और सबको स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना सरकार का प्राथमिक कर्त्तव्य है।
- निजी स्वास्थ्य सेवाएँ बहुत ही महँगी और खर्चीली है जिसे एक आम व्यक्ति वहन नहीं कर सकता है | दवाईयाँ महँगी होती हैं | बहुत से लोग उन्हें खरीद नहीं सकते और कई बार अपने परिवार की जान बचाने के लिए उन्हें ऋण लेना पड़ता है और कर्ज के बोझ में दब जाते है |

अभ्यास

प्रश्न - क्या आप इन स्तंभों को कोई शीर्षक दे सकते है ?

उत्तर -

स्तंभ	**शीर्षक**
बाएँ हाथ का स्तंभ दायें हाथ का स्तंभ	भारत में स्वास्थ्य सेवा तंत्र का विकास की समस्याएँ

प्रश्न – भारत में प्राय: कहा जाता है कि हम सबको स्वास्थ्य सेवाए प्रदान करने में असमर्थ है , क्योंकि सरकार पास इसके लिए पर्याप्त धन और सुविधाए नही है | ऊपर दिए गए स्तंभ को पढ़ने बाद क्या आप इसे सही मानते है ?

उत्तर – हाँ , यहे सही है की स्वतंत्रता के बाद के समय में भारत स्वस्थ सेवा शेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, किन्तु

(i) 1950 के दशक में हमारे यहाँ उपलब्ध स्वस्थ्य संबंधित सुविधाए तत्कालीन जनसँख्या के लिए अप्रयाप्त थी |

(ii) आज भी जब स्वस्थ्य सेवा शेत्र में उल्लेखनीय ढाचागत विकास हुआ है , हम अपनी बड़ती जनसँख्या की स्वस्थ्येसेवा मांग को पूरा करने में पूरी तरह से समक्ष नही है |

(iii) खासकर ग्रामीण शेत्रो में हम लोगो की स्वस्थ्य सेवा संबंधित माँग को पूरी करने के स्थिती में नही है |

(iv) ग्रामीण शेत्रो में सरकारी अस्पतालों तथा स्वस्थ्य सेवा केंद्र की भरी कमी महसूस करी जा रही है | यहाँ तक की शहरों में भी हम हॉस्पिटल में मरीजों की लंबी कतारे देख सकते है |

(v) ये गरीब लोग निजी हॉस्पिटल के भरी बर्कम खर्चे का वहन करने में असमर्थ है |

(vi) भारत में स्वस्थ्य सेवा शेत्र में साउथ एशियाई देशो के औसत निवेश भी कम निवेश किया जाता है |

प्रश्न - आपके विचार में हॉस्पिटल कैसे बेहतर ढंग से काम कर सकता है ?

उत्तर - यदि सुविधा काउंटर तथा डॉक्टरों की संख्या बढ़ा दी जाये तथा हॉस्पिटल में उपलब्ध कुछ सुविधायो का प्रबंध, जैसे साफ – सफाई, निदान संबंधी जाँच जैसे खून की जाँच, मॉल-मूत्र जाँच, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड इत्यादि निजी संस्थानों को सौंप दिया जाये तो मेरे विचार में हॉस्पिटल ठीक तरीके से कम कर सकता है |

प्रश्न - निजी चिकित्सालयों में हमें किन समस्याओं सामना करना पड़ता है ?

उत्तर -

(i) निजी चीकित्सल्यो में हमें प्रत्येक सुविधा प्राप्त करने के लिए एक मोटी राशी खर्च करनी पड़ती है |

(ii) कभी –कभी डॉक्टर द्वारा खर्चीले जाँच लिखे जाते है जिनकी वस्तव में कोई जरुरत ही नही होती |

(iii) निजी डॉक्टरों द्वारा कई बार बेवजह महँगी दवाइयाँ और जाँच लिख देते है जिसे गरीब व्यक्ति खर्च नहीं कर पाते है |

प्रश्न – सबके लिए स्वस्थ्य की सुविधाये उपलब्ध कराने के लिए सर्कार कोन - कोन से कदम उठा सकती है ?

उत्तर - (i) जनता के लिए संपूर्ण स्वस्थ्य सुविधाए उपलब्ध कराने हेतु सर्कार रक्षा तथा v.i.p वयाक्तियु की सुरक्षा के लिए बजट प्रावधानों में कटोती कर सकती है |

(ii) स्वस्थ्य सेवा शेत्र में बजट प्रावधान में सरकार वृद्धि कर सकती है |

(iii) बजट प्रावधान का कम – से – कम 30 से 40 प्रतिशत हिसा स्थानिये सरकारों पंच्यातो तथा नगर निगमों को उपलब्ध करा सकती है |

(iv) सरकार को चाहिये की वे स्वच्छ पिने का पानी साफ - सफाई पोषण मकान आदि के साथ – साथ सामान्य जनता के लिए स्वस्थ्य शिक्षा की भी व्येवस्था करे |

अतिरिक्त एवं उपयोगी प्रश्नोत्तर :

प्रश्न - सार्वजनिक शब्द का क्या अर्थ है ?

उत्तर - वह सेवा या कार्य, जो देश के सब लोगों के लिए है और मुख्य रूप से सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें स्कूल, अस्पताल, टेलीफोन सेवाएँ आदि शामिल हैं। लोग इन सेवाओं की माँग कर सकते हैं और यदि संस्थाएँ ठीक से काम नहीं करतीं हैं, तो इन पर सवाल उठा सकते हैं।

प्रश्न - निजी सेवाएँ क्या हैं ?

उत्तर - वह कार्य, जो किसी व्यक्ति या कंपनी द्वारा अपने लाभ के लिए आयोजित किया जाए।

प्रश्न - चिकित्सा पर्यटक क्या होते हैं ?

उत्तर - ये वे विदेशी पर्यटक हैं, जो इस देश के उन अस्पतालों में अपना इलाज कराने के लिए विशेष रूप से यहाँ आते हैं, जहाँ उन्हें अपने देश की तुलना में बहुत कम मूल्य पर विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्राप्त हो जाती हैं।

प्रश्न - संचारणीय बीमारियाँ किसे कहते है ?

उत्तर - वे बीमारियाँ हैं, जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को कई माध्यमों से संचारित हो जाती हैं, जैसे-पानी, भोजन, हवा इत्यादि।

प्रश्न - ओ पी डी किसे कहते हैं ?

उत्तर - यह 'आउट पेशेंट डिपार्टमेंट' या 'बाह्य रोगी विभाग' का संक्षिप्त रूप है। अस्पताल में किसी विशेष वार्ड में भर्ती होने से पहले रोगी ओ पी डी में जाते हैं।

प्रश्न - 'स्वास्थ्य' से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर - 'स्वास्थ्य' से तात्पर्य बिमरियों तथा घावो से मुक्त रहने की क्षमता से है |

प्रश्न - दुनिया में सर्वधिक मेडिकल collage किस देश में है ?

उत्तर - दुनिया में सर्वधिक मेडिकल collage भारत में है |

प्रश्न - सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था क्या है ?

उत्तर - सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था से तात्पर्य सर्कार द्वारा चलाये जाने वाले हॉस्पिटल तथा स्वास्थ्य केन्द्रों के तंत्र से है |

प्रश्न – हमारे संविधान में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के अधिकार की सुरक्षा का कर्त्तव्य किसके लिए निर्धारित किया गया है ?

उत्तर – हमारे सविधान में सर्कार का यहाँ कर्त्तव्ये निर्धारित किया गया है की वहा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के अधिकार को सुनिशिचत करे |

प्रश्न – हमारे जीवन से संबंधित कुछ उन पहलुओ के बारे में बताइए जो हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करते है |

उत्तर – (i) कभी – कभी हम एक लंबी अवधि के लिए सुस्त ,अक्रिये ,चिंतित तथा डरे – सहमे रहते है |

(ii) पारिवारिक समस्याओ तथा कम के बोझ के कारण भी हम मानसिक चिन्ताओ से घिरे रहते है |

प्रश्न – सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र के क्या कार्य है ?

उत्तर – (i) सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र जनता के बहुत बड़े हिसे के स्वास्थ्य संबंधित जरूरतों की देखभाल करता है |इसके अंतर्गत ग्रामीण शेत्र तथा शहर एवं कसबे सभी शामिल है |

(ii) यह तिककरण कार्येक्रम चलाकर तथा पहले से ही बीमारी से प्रभावित लोगो के उपचार द्वारा बिमारियो को फेलने से रोकता है |